उच्च शिक्षा में छात्राओं की बढ़ती प्रतिभागिताः उत्तराखण्ड के कुमाऊँ मण्डल में स्थित राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के नामांकन की स्थिति का विश्लेषण

डॉ. योगेश मैनाली,
सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र
एस.एस.ज. परिसर, अल्मोड़ा

गिरीश चन्द्र तिवारी
सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र
एच.एन.बी.जी.यू. (सेन्ट्रल यूनिवसिटी) कैम्पस पौड़ी

सारांश
किसी भी राष्ट्र की प्रगति में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समाज की प्रगति के लिए प्रत्येक मनुष्य का शिक्षित होना आवश्यक है। समाज की युवा पीढ़ी का भविष्य शिक्षा से ही बनता संवरता है। समाजीकरण की प्रक्रिया में शिक्षा का सर्वाधिक महत्व स्वीकार किया गया है। भारत के संदर्भ में तो शिक्षा को सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक राष्ट्र निर्माण के लिए सबसे प्रभावशाली साधन माना गया है। शिक्षा एक सतत् चलने वाली प्रक्रिया है, जिससे जीवन के लौकिक और अलौकिक दोनों पक्षों के प्रति स्वस्थ्य और िववकूपदो दृष्टिकोण बनता है। इस प्रकार शिक्षा के द्वारा व्यक्ति के जीवन के सभी क्षेत्रों में चाहे वे सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक अथवा व्यवसायिक हो, उनमें गतिशीलता (Mobility) आती है। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा में शिक्षा सबसे एक महत्वपूर्ण कारक की भूमिका निभाती है। शिक्षा लिंग आधारित भेदभाव को रोकने में भी मददगार होती है। समाज के समग्र विकास के लिए लड़कियों की शिक्षा आवश्यक है, क्योंकि एक आदमी को शिक्षित करके केवल राष्ट्र का कुछ हिस्सा ही शिक्षित किया जा सकता है, जबकि एक लड़की को शिक्षित करके पूरे राष्ट्र को शिक्षित किया जा सकता है।

की वर्ड *छात्राऐं, उच्च शिक्षा एवं नामांकन*

1. प्रस्तावना

समाज की उन्नति के लिए लड़कियों का शिक्षित होना आवश्यक है। शिक्षा केवल कार्य क्षमता को बढाने मात्र का साधन नहीं है, अपितु यह जनसाधारण की सहभागिता को व्यापक बनाने तथा व्यक्ति एवं समाज के समग्र विकास को गतिशीलता देने का एक प्रभावी उपकरण है। शिक्षा एक ऐसा अभिकरण है जो पुरूषों एवं महिलाओं के बीच असमानता की गहरी जड़ों को उखाड़ देती है। शिक्षा असमानता पर आधारित पारस्परिक मूल्यों के स्थान पर स्त्री–पुरूषों की समानता को स्वीकार करने वो नये मूल्यों को स्थापित करती है, शिक्षा मूल्यों धारणाओं एवं विश्वासों को परिवर्तित कर आधुनिकीकरण का मार्ग प्रशस्त करती है। एल0एस0 बख्शी ने बताया है कि शिक्षा के द्वारा ही महिलाऐं अपनी क्षमताओं को समझ सकती हैं।[1] किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा व्यक्ति के गुणों एवं सम्भावनाओं को विकसित करने की शतत् प्रक्रिया है। शिक्षा न केवल व्यक्ति के जीवन–यापन का साधन है, वरन् भावी जीवन का मार्ग भी प्रशस्त करती है। शिक्षा ऊर्द्ध–सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाने में मदद भी करती है।[2]

शिक्षा समाज के व्यक्तियों को इस योग्य बनाती है कि व्यक्ति समाज में व्याप्त सामाजिक समस्याओं, कुरूतियों, रूढ़ियों एवम् अंधविश्वासों के प्रति सचेत होकर उनसे लड़ने का साहस प्रदान करने में व्यक्ति की मदद करती है, जिससे समाज में परिवर्तन होता है। शिक्षा समाज के लोगों को जागरूक बनाते हुए उनकी प्रगति का आधार बनती है। शिक्षा परिवर्तन का साधन है। भारतीय समाज प्राचीनकाल से वर्तमान तक निरंतर विकसित

एवं परिवर्तित होते चला आ रहा है। जैसे–जैसे शिक्षा प्रचार–प्रसार होते गया, समाज में व्यक्तियों की प्रस्थिति, दृष्टिकोण, रहन–सहन, खानपान एवं रीति–रिवाजों में परिवर्तन हुआ है, जिससे सम्पूर्ण समाज का स्वरूप ही बदल गया है।

उत्तराखण्ड एक पहाड़ी राज्य है। जो अपी प्राकृतिक सौन्दर्यता और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। उत्तराखण्ड राज्य में, शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों ने लोगों को उच्च शिक्षा के प्रति आकर्षित करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। इसी का नतीजा है कि उत्तराखण्ड राज्य उच्च–शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा में बढ़ रहा है। केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी योजनाओं ने यहां के छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने का कार्य किया है। उत्तराखण्ड राज्य में नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन से उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की बढ़ती प्रतिभागिता ने उनके लिए नये–नये अवसरों का उत्थान किया है। राज्य के उच्च शैक्षणिक संस्थानों ने विभिन्न क्षेत्रों मे नये–ये कार्यक्रमों की शुरूवात करके छात्र–छात्राओं को सृजनात्मक दृष्टिकोण से समर्थ बनाने का संकल्प लिया है। इस सामाजिक परिवर्तन में, उच्च शैक्षणिक संस्थानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं में छात्राओं की बढ़ती प्रतिभागिता कहीं न कहीं भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की संकल्पना को साकार कर समाज में ब्रांड एमबेसडर की भूमिका निभा रही है।

सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrolment Roito) 18 से 23 वर्ष की आयु की पात्र जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में छात्रों की संख्या को मापता है।[3] जिसे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक ऐजेंसी ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (AISHE) प्रत्येक वर्ष जारी करती हैं। वर्ष 2019–20 में ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन (AISHE) की रिपोर्ट पर यदि गौर किया जाय तो हम देखते हैं कि उत्तराखण्ड राज्य सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrolment Roito) में राष्ट्रीय स्तर में राज्यों में पांचवा स्थान हासिल कर 41.5 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrolment Roito) प्राप्त कर नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं।[4] वहीं दूसरी ओर यदि वर्ष 2019–20 के ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (AISHE) में उत्तराखण्ड राज्य की छात्राओं का सकल नामांकन अनुपात (GER) देखा जाये तो वह 42.3 प्रतिशत था।[5]

उत्तराखण्ड में उच्च शैक्षणिक संस्थानों में छात्राओं का बढ़ता सकल नामांकन अनुपात (GER) सामाजिक परिवर्तन का अद्वितीय परिचय प्रदान कर रहा है। जिससे राज्य में सामाजिक–शैक्षणिक, सामाजिक–आर्थिक, सामाजिक–राजनैतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक समृद्धि के साथ–साथ सामाजिक न्याय एवं सामूहिक समरसता मजबूत हो रही है। उत्तराखण्ड राज्य के प्रतिभावान मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी सरकार उच्च शिक्षा को समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र–छात्राओं तक पहुंचाकर समाज में समानता, सामंजस्य और समृद्धि की भावना को बढ़ावा देने का कार्य करके नये कीर्तिमान स्थापित करने का कार्य कर रही है।

2. साहित्य समीक्षा

स्नेहलता उपाध्याय (1998)[6] ने अपने अप्रकाशित एम0एड0 के लघु शोध प्रबंध ''राजस्थान राज्य में महिला शिक्षा की प्रवृत्ति का अध्ययन'' में राजस्थान राज्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तरों पर विश्वविद्यालयों में संकायवार छात्रा शिक्षा की प्रवृत्ति का अध्ययन किया है।

बी.क. सिंह (2007)[7] ने अपने अध्ययन ''स्टेट्स ऑफ वर्किंग वूमेन इन इंडिया'' में पाया कि शिक्षित कामकाजी महिलाऐं समाज में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं, ये महिलाऐं औपचारिक या अनौपचारिक दोनों क्षेत्रों में अपनी योग्यता एवं महत्व को दर्शा रही हैं।

टीनू जोजफ (2013)[8] ने ''हायर ऐजुकेशन एण्ड इम्पालॉयमेंट एसपाइरेशन ऑफ वूमेन इन इंडिया'' में महिलाओं की उच्च शिक्षा के प्रति आकांक्षा और स्तर के मध्य एक मजबूत अंर्तसंबंध पाया है।

मोहम्मद सलीम (2016)[9] ने '' भारत में उच्च शैक्षिक और व्यवस्थित रोजगार क्षेत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी का एक अध्ययन'' में स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में महिलाओं की नामांकन की स्थिति का अध्ययन किया है।

जय किशन भार्मा (2016)[10] ने ''राजस्थान राज्य में महिलाओं की बढ़ी उच्च शिक्षा में रूचि'' में राजस्थान राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ी सहभागिता के विषय में बताया है।

3. शोध पत्र का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊ मंडल के जनपदों में स्थित राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं में वर्ष 2014–15 में नामांकित छात्राओं की नामांकन की प्रवृत्ति का विश्लेषण करना है।

4. शोध पत्र का क्षेत्र

उत्तराखण्ड राज्य कुमाऊँ एवं गढ़वाल दो मण्डलों में विभक्त है। इन दोनों मंडलों में कुल 13 जनपद हैं। जिनमें 06 जनपद कुमाऊँ मंडल में तथा 07 जनपद गढ़वाल मंडल में स्थित हैं। प्रस्तुत शोध पत्र का का क्षेत्र कुमाऊँ मंडल के जनपदों में स्थित राजकीय महाविद्यालयों में वर्ष 2014–15 में छात्राओं की नामांकन की प्रवृत्ति से संबंधित है, कुमाऊँ मंडल के जनपदों का विवरण एवं उनकी साक्षरता दर को तालिका 1.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 1.1 कुमाऊँ मण्डल के जनपद एवं उनकी साक्षरता[11]

क्रं.सं.	जनपद	पुरूष/महिला साक्षरता प्रतिशत		कुल साक्षरता प्रतिशत
		पुरूष साक्षरता	महिला साक्षरता	
1.	नैनीताल	90.07	77.29	83.88
2.	बागेश्वर	91.61	68.05	79.83
3.	अल्मोड़ा	92.86	69.93	80.47
4.	पिथौरागढ़	92.75	72.29	82.25
5.	चम्पावत	92.33	69.03	80.01
6.	उधमसिंहनगर	81.09	64.45	73.10

स्रोत– बिनसर उत्तराखण्ड इयर बुक 2016

5. शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है। द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त तथ्यों एवं आंकड़ों का समीक्षात्मक विश्लेषण इस शोध पत्र में किया गया है।

उत्तराखण्ड राज्य में मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थाओं में 22 विश्वविद्यालय, 03 डीम्ड विश्वविद्यालय एवं 124 महाविद्यालय स्थित है।[12] कुमाऊ मंडल के जनपदों में स्थित राजकीय महाविद्यालयों में वर्ष 2014–15 में बी.ए. एवं एम.ए. की कक्षाओं में नामांकित छात्राओं की संख्या को शोध पत्र के अध्ययन के लिए चुना गया है। इस प्रकार छात्र संख्या 2014–15 के आधार पर जनपद नैनीताल के 06 राजकीय महाविद्यालय, बागेश्वर जनपद के 04 राजकीय महाविद्यालय, अल्मोड़ा जनपद के 13 राजकीय महाविद्यालय, पिथौरागढ़ जनपद के 08 राजकीय महाविद्यालय चम्पावत जनपद के 05 राजकीय महाविद्यालय और उधमसिंह नगर के 05 राजकीय महाविद्यालय जिनमें वर्ष 2014–15 में बी.ए. एवं एम.ए. की कक्षाओं में नामांकित छात्र–छात्राऐं ही शामिल हैं। व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के छात्र–छात्राओं की संख्या को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

अध्ययन की विश्वसनीयता के लिए द्वैतीयक आकड़ों में शासकीय, अर्द्ध– शासकीय प्रकाशनों, इंटरनेट, रिसर्च जनर्ल्स, शोध पत्र एवं जनगणना आंकड़ों की सहायता ली गई है। प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु संकलित तथ्यों के आधार पर निम्नलिखित तथ्यों को उद्घाटित किया गया है।

तालिका 1.2 नैनीताल जनपद के राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के नामांकन की स्थिति वर्गीकरण[13]

क्रम	महाविद्यालय	छात्र	छात्राएं	कुल
1.	एम.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्द्वानी	5186	6745	11,931
2.	राजकीय महिला महाविद्यालय हल्द्वानी	–	1005	1005
3.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर	1585	2700	4285
4.	राजकीय महाविद्यालय चौखुटा, दोषापानी	75	120	195
5.	राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग	59	77	136
6.	राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट	8	66	74
कुल		**6.913**	**10.713**	**17,626**

स्रोत– डिपार्टमेन्ट ऑफ हायर एजुकेशन (2014–15 की छात्र संख्या के आधार पर)
(व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि नैनीताल जनपद में स्थित छः राजकीय महाविद्यालयों में से एम.बी. राजकीय महाविद्यालय हल्द्वानी में 6745 (56.53 प्रतिशत) छात्राएं तथा 5186 (43.47 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महिला महाविद्यालय हल्द्वानी चूँकि महिला महाविद्यालय है, इसलिए वहाँ सम्पूर्ण छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जिनकी संख्या 1005 (100 प्रतिशत) है। राजकीय महाविद्यालय रामनगर में 2700 (63.01 प्रतिशत) छात्राएं तथा 1585 (36.99 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय चौखुटा, दोषापानी में 120 (61.54 प्रतिशत) छात्राएं तथा 75 (38.46 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय कोटाबाग में 77 (56. 62 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं जबकि 59 (43.38 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट में 66 (89.19 प्रतिशत) छात्राएं तथा 8 (10.81 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। इस प्रकार नैनीताल जनपद के छः राजकीय महाविद्यालयों में से राजकीय महिला महाविद्यालय हल्द्वानी, जो सिर्फ महिला महाविद्यालय है, को छोड़कर जनपद के पाँच राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में छात्राओं की अधिकता है।

तालिका 1.3 बागेश्वर जनपद के राजकीय महाविद्यालयों में अध्यनरत छात्र–छात्राओं के नामांकन की स्थिति[14]

क्रम	महाविद्यालय	छात्र	छात्राएं	कुल
1.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बागेश्वर	746	1536	2282
2.	राजकीय महाविद्यालय कपकोट	62	191	253
3.	राजकीय महाविद्यालय काण्डा	16	66	82
4.	राजकीय महाविद्यालय गरूड़	49	142	191
कुल		**873**	**1935**	**2808**

स्रोत– डिपार्टमेन्ट ऑफ हायर एजुकेशन (2014–15 की छात्र संख्या के आधार पर)
(व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि जनपद बागेश्वर में स्थित राजकीय महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बागेश्वर में 1536 (67.31 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 746 (32.69 प्रतिशत) छात्र स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय कपकोट में 191 (75.49 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 62 (24.51 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय काण्डा में 66 (80.49 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 16 (19.51 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत्

हैं। राजकीय महाविद्यालय गरूड़ में 142 (74.35 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 49 (25.65 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। इस प्रकार जनपद बागेश्वर में स्थित चार राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में छात्राओं का नामांकन प्रतिशत छात्रों से अधिक है।

तालिका 1.4 अल्मोड़ा जनपद के राजकीय महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं की नामांकन की स्थिति[15]

क्रम	महाविद्यालय	छात्र	छात्राएं	कुल
1.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत	672	1304	1976
2.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वाराहाट	156	287	443
3.	राजकीय महाविद्यालय स्याल्दे	89	302	391
4.	राजकीय महाविद्यालय मानिला	135	291	426
5.	राजकीय महाविद्यालय जैती	38	106	144
6.	राजकीय महाविद्यालय चौखुटिया	72	329	401
7.	राजकीय महाविद्यालय सोमेश्वर	115	263	378
8.	राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण	148	320	468
9.	राजकीय महाविद्यालय गरूड़बांज	56	122	178
10.	राजकीय महाविद्यालय तल्ला सल्ट	8	6	14
11.	राजकीय महाविद्यालय भतरौंजखान	14	51	65
12.	राजकीय महाविद्यालय मॉसी	19	36	55
13.	राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा	61	82	143
कुल		**1583**	**3499**	**5082**

स्रोत– डिपार्टमेन्ट ऑफ हायर एजुकेशन (2014–15 की छात्र संख्या के आधार पर) (व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि जनपद अल्मोड़ा में स्थित राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत में 1304 (66 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि 672 (34 प्रतिशत) छात्र स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत् हैं। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वाराहाट में 287 (64.79 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 156 (35.31 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय स्याल्दे में 302 (77.24 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 89 (22.76 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय मानिला में 291 (68.31 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 135 (31.69 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय जैंती में 106 (73.61 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 38 (26. 39 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय चौखुटिया में 329 (82.05 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 72 (17.95 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय सोमेश्वर में 263 (69.58 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 115 (30.42 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय भिकियासैण में 320 (68.38 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 148 (31.62 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् है। राजकीय महाविद्यालय गरूड़बांज में 122 (68.54 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 56 (31.46 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय तल्ला सल्ट में 6 (42.86 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 8 (57.14 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय भतरौजखान में 51 (78.46 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 14 (22.54 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय मॉसी में 36 (65.45 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 19 (34.55 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय लमगड़ा में 82 (57.34 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 61 (42.66 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। इस प्रकार जनपद अल्मोड़ा में स्थित 13 राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में छात्राओं का नामांकन प्रतिशत छात्रों की तुलना में अधिक है।

तालिका 1.5 पिथौरागढ़ जनपद के राजकीय महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं की नामांकन की स्थिति[16]

क्रम	महाविद्यालय	छात्र	छात्राएं	कुल
1.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिथौरागढ़	2545	2859	5404
2.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग	402	684	1086
3.	राजकीय महाविद्यालय नारायणनगर	166	390	556
4.	राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट	157	465	622
5.	राजकीय महाविद्यालय मुनस्यारी	195	202	397
6.	राजकीय महाविद्यालय गंगोलीहाट	215	374	589
7.	राजकीय महाविद्यालय मुवानी	30	67	97
8.	राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली	11	14	25
कुल		**3721**	**5055**	**8776**

स्रोत– डिपार्टमेन्ट ऑफ हायर एजुकेशन (2014–15 की छात्र संख्या के आधार पर)
(व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि जनपद पिथौरागढ़ में स्थित राजकीय महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिथौरागढ़ में 2859 (52.91 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 2545 (47.09 प्रतिशत) छात्र स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत् हैं। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में 684 (62.98 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 402 (37.02 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय नारायणनगर में 390 (70.14 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 166 (29.86 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट में 465 (74.76 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 157 (25.24 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय मुनस्यारी में 202 (50.88 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 195 (49.12 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय गंगोलीहाट में 374 (63. 50 प्रतिशत) छात्राए अध्ययनरत् हैं, जबकि 215 (36.50 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय मुवानी में 67 (69.07 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 30 (30.93 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली में 14 (56 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 11 (44 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। इस प्रकार जनपद पिथौरागढ़ में स्थित 8 राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में छात्राओं का नामांकन प्रतिशत छात्रों की तुलना में अधिक है।

तालिका 1.6 चम्पावत जनपद के राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं की नामांकन की स्थिति[17]

क्रम	महाविद्यालय	छात्र	छात्राएं	कुल
1.	राजकीय महाविद्यालय चम्पावत	198	328	526
2.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोहाघाट	517	909	1426
3.	राजकीय महाविद्यालय टनकपुर	201	469	670
4.	राजकीय महाविद्यालय देवीधुरा	35	38	73
5.	राजकीय महाविद्यालय बनबसा	30	27	57
कुल		**981**	**1771**	**2752**

स्रोत– डिपार्टमेन्ट ऑफ हायर एजुकेशन (2014–15 की छात्र संख्या के आधार पर)
(व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि जनपद चम्पावत में स्थित राजकीय महाविद्यालय चम्पावत में 328 (62.36 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि 198 (37.64 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत हैं। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोहाघाट में 909 (63.74 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं, जबकि 517 (36.26 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में 469 (70 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 201 (30 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय देवीधुरा में 38 (52.05 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं,

जबकि 35 (47.95 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय बनबसा में 27 (47.37 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 30 (52.63 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। इस प्रकार जनपद चम्पावत में स्थित 5 राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय महाविद्यालय बनबसा को छोड़कर जनपद के 4 राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तकर कक्षाओं में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में छात्राओं का नामांकन प्रतिशत छात्रों की तुलना में अधिक है।

तालिका 1.7 उधमसिंहनगर जनपद के राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं की नामांकन की स्थिति[18]

क्रम	महाविद्यालय	छात्र	छात्राएं	कुल
1.	राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय खटीमा	1799	3542	5341
2.	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर	2289	2871	5160
3.	राजकीय महाविद्यालय काशीपुर	2250	4041	6291
4.	राजकीय महाविद्यालय बाजपुर	570	542	1112
5.	राजकीय महाविद्यालय सितारगंज	21	39	60
कुल		**6929**	**11035**	**17964**

स्रोत– डिपार्टमेन्ट ऑफ हायर एजुकेशन (2014–15 की छात्र संख्या के आधार पर)
(व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि जनपद उधमसिंहनगर में स्थित राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय खटीमा में 3542 (66.32 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि 1799 (33.68 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत हैं। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर में 2871 (55.64 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि 2289 (44.36 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर में 4041 (64.23 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् हैं तथा 2250 (35.77 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय बाजपुर में 542 (48.74 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् है, जबकि 570 (51.26 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। राजकीय महाविद्यालय सितारगंज में 39 (65 प्रतिशत) छात्राएं अध्ययनरत् है तथा 21 (35 प्रतिशत) छात्र अध्ययनरत् हैं। इस प्रकार जनपद उधमसिंहनगर में स्थित 5 राजकीय महाविद्यालयो में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में छात्राओं का नामांकन प्रतिशत छात्रों की तुलना में अधिक है।

6. निष्कर्ष

उत्तराखण्ड राज्य के कुमाँऊ मण्डल के छः जनपदों के 41 राजकीय महाविद्यालयों में वर्ष 2014–15 में स्नातक एवं स्नात्तकोत्तर कक्षाओं में छात्राओं के नामांकन के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि अधिकांश महाविद्यालयों में छात्राओं का स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं में छात्रों की तुलना में नामांकन अधिक है। पहाड़ की बेटियां अब अधिक से अधिक संख्या में, उच्च शिक्षा में दाखिला ले रही हैं। अब लोगों की बालिका शिक्षा के प्रति मानसिकता भी बदल रही है। लोग बालिकाओं की शिक्षित करने में अब पीछे नहीं हठ रहे हैं। इसके पीछे मुख्य कारण सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षत्र में छात्राओं के लिए चलाई गयी कल्याणकारी योजनाएं, नीतियां यहाँ की छात्राओं को उच्च शिक्षा में दाखिला लेने के लिए उनके लिए मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना ने तो बालिका शिक्षा को गति देने का कार्य किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तराखण्ड राज्य के राजकीय महाविद्यालयों के साथ–साथ प्राइवेट, अशासकीय महाविद्यालयों, एवं निजी विश्वविद्यालयों में भी बालिकाओं के नामांकन में काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। इस सबकी भी आज आवश्यकता है ग्रामीण अंचलों में निवास करने वाले अभिभावकों को बालिका शिक्षा के गुणो एवं लाभों के विषय में शिक्षित करने की अभी और जरूरत है। ग्रामीण अंचलों में निवास कर रहे अधिकाँश अभिभावकों में अभी भी यह मानसिकता बरकरार है कि 'लड़किया पराए घर की धन होती हैं, उन्हें क्या पढ़ाना है, उनकी जल्दी शादी कर देनी चाहिए'। समाज में इस सोच को बदलने की आवश्यकता है। हमें ऐसी मानसिकता वाले अभिभावकों की बालिकाओं की शिक्षा में सोच बदलकर बालिका की शिक्षा के लिए उन्हें

प्रोत्साहित करना पड़ेगा, तभी बालिका शिक्षा के प्रति लोगों के दृष्टिकोण में बदलाव आ सकेगा और बालिका शिक्षा अपना मूर्त रूप प्राप्त कर सकेगी।

सन्दर्भ ग्रंथ

1. बख्शी,एल.एस. ''स्टेट्स ऑफ वूमेन इन इंडिया'' योजना, जुलाई 1989 प. 1–51।
2. पिल्लई, टी.के.''ऐजुकेटिंग वूमेन फॉर नेशनल डिवलमेंट'' दी एजुकेशन, क्वार्टरली, अंक–15, वाल्यूम 7 1976, पृ. 31–33।
3. https://education forallindia.com '' भारत में उच्च शिक्षा स्तर पर GER: संक्षिप्त विश्लेषण, 2023''
4. www.jagran.com, ''राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा में उत्तराखण्ड की छलांग, सकल नामांकन अनुपात में मिला पांचवा स्थान'' बाई सुमित कुमार, पब्लिशड 13 जनवरी 2021।
5. www.jagran.com, ''राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा में उत्तराखण्ड की छलांग, सकल नामांकन अनुपात में मिला पांचवा स्थान'' बाई सुमित कुमार, पब्लिशड 13 जनवरी 2021।
6. उपाध्याय, स्नेहलता, ''राजस्थान राज्य में महिला शिक्षा की प्रवृत्ति का अध्ययन'' शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, अप्रकाशित लघु शोध प्रबंध, 1998।
7. के.बी. सिंह, ''स्ट्रेटस ऑफ वर्किंग वूमेन इन इंडिया'' वूमेन इश्यू: इम्पावरमेंट एण्ड जेंडर डिस्क्रीमिनेशन, बिस्टा इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली पृ. 61–63, 2007।
8. www.academia.edu, जोजफ टीनू, ''हायर एजुकेशन एण्ड इम्पलॉयमेंट एसपाइरेशन ऑफ वूमेन इन इंडिया'' मैन एण्ड डिवलमैंट, पृ. 127–136, सितम्बर 2013।
9. सलीम, मोहम्मद, '' भारत में उच्च शैक्षणिक और व्यवस्थित रोजगार क्षेत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी का एक अध्ययन'' यूनिवर्सिटी न्यूज, 54 (10) मार्च, पृ. 7–13, 2016।
10. शर्मा, जयकिशन, ''राज्य में महिलाओं की बढ़ी उच्च शिक्षा में रूचि'' दैनिक भास्कर, 6 अगस्त 2016।
11. नवानी लोकेश एवं कल्याण सिंह रावत, ''विनसर उत्तराखण्ड ईयर बुक 2016'' पृ. 48।
12. सांख्यिकीय डायरी 2021–22, अर्ध एवं संख्या निदेशालय, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, पृ. 104।
13. उत्तराखण्ड डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2014–15 की छात्र संख्या।
14. उत्तराखण्ड डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2014–15 की छात्र संख्या।
15. उत्तराखण्ड डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2014–15 की छात्र संख्या।
16. उत्तराखण्ड डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2014–15 की छात्र संख्या।
17. उत्तराखण्ड डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2014–15 की छात्र संख्या।
18. उत्तराखण्ड डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2014–15 की छात्र संख्या।